पूछो क्यों
राष्ट्रीय वैज्ञानिक
दृष्टिकोण दिवस 20 अगस्त

वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने की ओर लोगों को मोड़ने के लिए सेमीनार आयोजित

वैज्ञानिक मानसिकता को बढ़ावा देने का संविधान में है प्रावधानः प्रो. रमेश

सिटी रिपोर्टर| मंडी

प्रगतिशील वैज्ञानिक डॉक्टर नरेंद्र दाभोलकर की याद में मंडी साक्षरता भवन सेमिनार का आयोजन किया गया। हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति व तकनीति एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर, लेखकों तथा वैज्ञानिक सहित अन्य लोगों ने भाग लिया । जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर रमेश रवि, प्रसिद्ध लेखक दिनु कश्यप व तकनीकि एवं विकास समिति के अध्यक्ष डीपी गुप्ता ने की।

अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत अंधविश्वास, रूढ़िवाद, अज्ञानता, जातिवाद जैसी भयंकर कुरीतियों व मानसिकता के खात्मे के लिए आयोजित इस सेमिनार में मुख्य वक्ता प्रोफेसर रमेश रवि ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानसिकता को अपना कर ही हम एक बेहतर नागरिक समाज की स्थापना कर सकते हैं। वर्तमान में बहुत ऊंचे पदों पर बैठे लोगों द्वारा भी अव्यवहारिक और गैर वैज्ञानिक बातों का प्रचार बड़े जोर शोर से किया जा रहा है।

विज्ञान और संस्कृति को धार्मिक रंग देकर लोगों की भावनाएं भड़काई जा रही है। प्लास्टिक सर्जरी से गणेश का जन्म, इंटरनेट से महाभारत युद्ध देखना, हनुमान की विमान से भी तेज रफ्तार बताना तथा कृत्रिम गर्भाधान से कौरवों की उत्पत्ति जैसी बेतुकी वह बेबुनियाद बातों से लोगों को भ्रमित करना, बड़े पैमाने पर जारी है। ऐसे माहौल में विज्ञान और संस्कृति की सही और प्रमाणिक बातों को जानना और समझना बहुत जरूरी है। इस मौके पर दिनु कश्यप ने कहा कि एक वैज्ञानिक भी वैज्ञानिक मानसिकता वाला हो, यह जरूरी नहीं है। किसी बीमारी का इलाज झाड़ फूंक से नहीं बल्कि विज्ञान पर आधारित तकनीक से डॉक्टरों द्वारा इलाज से ही संभव है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण की ओर लोगों को मोड़ने के लिए आयोजित सेमिनार में उपस्थित लोग।

अंधविश्वास तोड़ अपनाना होगा वैज्ञानिक दृष्टिकोणः डीपी गुप्ता

इस मौके पर संयोजक डीपी गुप्ता ने कहा डॉक्टर नरेंद्र दाभोलकर ने अंधविश्वास के विरुद्ध अपना अभियान शुरू किया था। उसके बाद भी हम सब अंधविश्वास में फंसे हुए है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश ने विज्ञान के क्षेत्र में जो तरक्की की है उसकी भी हम लोग अंधविश्वास में फंस कर अनदेखी कर रहे है। हमें अंधविश्वास की दीवार को तोड़ का अपने जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाना होगा। जिसके कारण ही हम देश व समाज को नई दिशा दे सकते है। जब तक हम अंधविश्वास में उलझे रहेंगे देश व समाज आगे नहीं बढ़ सकता।

आजकल स्वयं या अपनी संस्कृति को बड़ा बताने की बड़ी बड़ी बातें ज्यादा की जा रही है। ऐसे हालात में हर मुद्दे पर जनतांत्रिक तरीके से बहस और विमर्श का वातावरण बना कर ही गैर विज्ञानिक विचार को पीछे धकेला जा सकता है। इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रयोग ने जहां हमें बहुत ज्यादा जानकारियां दी हैं, वही उससे आ गे भी एक नागरिक समाज बनाने में बहुत सारी चुनौतियां हमारे सामने हैं। इन चुनौतियों की पहचान करना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इनका समाधान करना समय की जरूरत है। इस मौके पर डीपी गुप्ता, संयोजक ने डॉक्टर नरेंद्र दाभोलकर के अंधविश्वास के विरुद्ध दिए गए भाषण के मुख्य अंशों को पढ़कर सुनाया। जिसमें समाज की एकता तथा देश की अखंडता के लिए सभी नागरिकों में वैज्ञानिक मानसिकता का विकास करने व इसके प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय संविधान की धारा 51एएच में सभी नागरिकों का यह कर्तव्य भी माना गया है कि वह वैज्ञानिक मानसिकता को बढ़ावा दे। सेमिनार में जन विज्ञान नेटवर्क के राष्ट्रीय सदस्य जोगिंद्र वालिया ने वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। जिसमें सेमिनार, फिल्म शो, कला जथा, पोस्टर तथा किताबो इत्यादी के माध्यम से समाज में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अभियान चलाया जाएगा।

सामाजिक कुरीतियों के खात्मे के लिए वैज्ञानिक लड़ाई जरूरी : रमेश रवि

डा. नरेंद्र दाभोलकर की याद में साक्षरता भवन मंडी में सैमीनार आयोजित

मंडी, 20 अगस्त (ब्यूरो): अखिल भारतीय जन विज्ञान नैटवर्क के आह्वान पर देशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत अंधविश्वास, रूढ़िवाद, अज्ञानता व जातिवाद जैसी कुरीतियों व मानसिकता के खात्मे के लिए लम्बी लड़ाई लड़ने वाले एवं साम्प्रदायिक ताकतों के हाथों कत्ल का शिकार हुए प्रगतिशील वैज्ञानिक डा. नरेंद्र दाभोलकर की याद में साक्षरता भवन मंडी में सैमीनार आयोजित किया गया। हिमाचल ज्ञान-विज्ञान समिति व तकनीकी एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रोफैसर, लेखकों, वैज्ञानिक व अन्य लोगों ने भाग लिया जिसकी अध्यक्षता प्रोफैसर रमेश रवि, प्रसिद्ध लेखक दीनू कश्यप व तकनीकी एवं विकास समिति के अध्यक्ष डी.पी. गुप्ता ने की। इस अवसर पर रमेश रवि ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानसिकता को अपना कर ही हम एक बेहतर नागरिक समाज की स्थापना कर सकते हैं। दीनू कश्यप ने कहा कि एक वैज्ञानिक भी वैज्ञानिक मानसिकता वाला हो यह जरूरी नहीं है।

किसी बीमारी का इलाज झाड़-फूंक से नहीं बल्कि विज्ञान पर आधारित तकनीक से डाक्टरों द्वारा ही संभव है। इस मौके पर डी.पी. गुप्ता ने नरेंद्र दाभोलकर के अंधविश्वास के विरुद्ध दिए गए भाषण के मुख्य अंशों को पढ़कर भी सुनाया। अखिल भारतीय जन विज्ञान नैटवर्क के राष्ट्रीय सदस्य जोगिंद्र वालिया ने कहा कि वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों में समाज में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का अभियान चलाया जाएगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 21 August 2018
epaper.punjabkesari.in/c/31426600

वैज्ञानिक मानसिकता से बना सकते हैं बेहतर समाज : रवि

मंडी। अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के आह्वान पर साक्षरता भवन मंडी में एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति एवं तकनीकी एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर, लेखकों, वैज्ञानिकों और अन्य लोगों ने भाग लिया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रोफेसर रमेश रवि, प्रसिद्ध लेखक दिनु कश्यप व तकनीकी एवं विकास समिति के अध्यक्ष डीपी गुप्ता ने की। प्रोफेसर रमेश रवि ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानसिकता को अपना कर ही हम एक बेहतर समाज की स्थापना कर सकते हैं। दिनु कश्यप ने कहा कि एक वैज्ञानिक भी वैज्ञानिक मानसिकता वाला हो, यह जरूरी नहीं है। किसी बीमारी का इलाज झाड़ फूंक से नहीं, बल्कि विज्ञान पर आधारित तकनीक से संभव है। इस मौके पर डीपी गुप्ता ने डॉक्टर नरेंद्र दाभोलकर के अंधविश्वास के विरुद्ध दिए गए भाषण के मुख्य अंशों को पढ़कर सुनाया। इसमें समाज की एकता तथा देश की अखंडता के लिए सभी नागरिकों में वैज्ञानिक मानसिकता का विकास करने पर बल दिया गया। ब्यूरो

वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर करें बेहतर समाज की स्थापना

जागरण संवाददाता, मंडी : अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के आह्वान पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अंधविश्वास, रूढ़िवाद, अज्ञानता, जातिवाद जैसी भयंकर कुरीतियों व मानसिकता के खात्मे के लिए लंबी लड़ाई लड़ने वाले एवं सांप्रदायिक ताकतों के हाथ मारे गए प्रगतिशील वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की याद में साक्षरता भवन मंडी में सेमिनार का आयोजन किया गया।

हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति व तकनीकी एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सेमिनार में प्रोफेसर, लेखकों व वैज्ञानिकों ने भाग लिया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रोफेसर रमेश रवि, प्रसिद्ध लेखक दीनू कश्यप व तकनीकी एवं विकास समिति के अध्यक्ष डीपी गुप्ता ने की।

प्रो. रमेश रवि ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानसिकता को अपना कर हम बेहतर नागरिक समाज की स्थापना कर सकते हैं। वर्तमान में बहुत ऊंचे पदों पर बैठे लोगों द्वारा भी अव्यवहारिक और गैर वैज्ञानिक बातों का प्रचार बड़े जोर शोर से किया जा रहा है। विज्ञान और संस्कृति को धार्मिक रंग देकर लोगों की भावनाएं भड़काई जा रही है। संयोजक डीपी गुप्ता ने डॉ. नरेंद्र दाभोलकर के अंधविश्वास के विरुद्ध दिए गए भाषण के मुख्य अंशों को पढ़कर सुनाया।

अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के राष्ट्रीय सदस्य जोगिंद्र वालिया ने वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम की जानकारी दी। सेमिनार में डॉ. विजय विशाल, जोगेंद्र वालिया, राकेश रॉकी, राजेंद्र मोहन, संजीव ठाकुर, भीम सिंह, डॉ. वीना, सुनीता बिष्ट व अन्य मौजूद रहे।